प्रकाश की दैदीप्यमणि दादी प्रकाशमणि

दादी प्रकाशमणि को पीस मेडल से सम्मानित करते हुए यू.एन. सेक्रेट्री जनरल डॉ. परवेज़ डेक्युलर।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के विशाल आध्यात्मिक संगठन का सफल नेतृत्व करते हुए दादी प्रकाशमणि जी ने अपने जीवनकाल में विश्व कल्याण का परचम लहराया। ऐसी महान विभूति का जन्म दीपावली के शुभ दिन पर सन् 1922 में अविभाजित भारत के सिंध प्रांत के हैदराबाद शहर में हुआ था। दादी जी बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि की थीं। उनका इस संस्था में एक स्नेहमयी, लगनशील, आज्ञाकारी कुमारी के रूप में पदार्पण हुआ। उस समय इस संस्था को 'ओम मंडली' के नाम से जाना जाता था। उन्होंने 14 वर्ष की अल्पायु में ही अपना जीवन मानव कल्याण हेतु प्रभु अर्पण कर दिया। आप

अव्यक्त बापदादा के साथ दादी प्रकाशमणि तथा दादी जानकी।

परमात्म शिक्षा से प्रेरित होकर अपने जीवन में पवित्रता, शांति, प्रेम, सरलता, दिव्यता, नम्रता, निरहंकारिता जैसे विशेष गुणों को अपनाकर आध्यात्मिक प्रकाश को फैलाने और मानव को महान बनाने के कार्य में सफल रहीं। सन् 1969 में प्रजापिता ब्रह्मा ने अध्यात्म की मशाल दादी जी को सौंप दी और स्वयं सम्पूर्ण बन गए। पिताश्री जी के अव्यक्त होने के पश्चात् दादी जी ने सम्पूर्ण मानवता की सेवा करते हुए एक विशाल आध्यात्मिक संगठन को साथ लेकर विश्व सेवा का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने विभिन्न जाति, वर्ग, रंग-भेद को दूर करने के लिए मानवता में विश्व-बंधुत्व एवं वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को जगाने के लिए आत्मिक एवं प्रभु संतान की स्मृति दिलाई तथा परमात्म-अवतरण के ईश्वरीय संदेश को अल्प समय में सम्पूर्ण विश्व के क्षितिज पर गुंजायमान किया।

आपके कुशल नेतृत्व के कारण संस्थान को संयुक्त राष्ट्र संघ ने गैर सरकारी संस्था के तौर पर आर्थिक एवं सामाजिक परिषद का परामर्शक सदस्य बनाया एवं यूनिसेफ ने भी अपने कार्यों में अपना सहभागी बनाया। आपके नेतृत्व में संस्था ने विश्व शांति हेतु कई रचनात्मक एवं सार्थक कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए। उनकी उपलब्धियों को देखकर संयुक्त राष्ट्र संघ ने सन् 1987 में एक अंतराष्ट्रीय तथा 5 राष्ट्रीय स्तर के 'शांतिदूत' पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

ज्ञानचर्चा करते हुए दादी प्रकाशमणि तथा गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी।

तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के साथ दादी प्रकाशमणि।

कार्यक्रम में यू.एन. जेनरल एसेम्बली के तत्कालीन प्रेसीडेंट एस.आर. इंसान अली के साथ दादी प्रकाशमणि तथा ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा।

साउथ अफ्रीका के तत्कालीन राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला को ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए दादी प्रकाशमणि।

कार्यक्रम में मदर टेरेसा के साथ दादी प्रकाशमणि।

ज्ञानचर्चा करते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी तथा दादी प्रकाशमणि। साथ हैं ब्र.कु. मोहिनी, ब्र.कु. आशा तथा अन्य।

आध्यात्मिक चर्चा करते हुए लालकृष्ण आडवाणी तथा दादी प्रकाशमणि।

तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी के साथ दादी प्रकाशमणि।

कनकपुर के स्वामी जी के साथ दादी प्रकाशमणि।

नेपाल के तत्कालीन महाराज वीरेन्द्र वीर विक्रम शाह देव दादी प्रकाशमणि को मोमेन्टो देकर सम्मानित करते हुए।